दोहरी ज़िंदगी

विजयदान देथा

Dohri Zindagi

by Vijaidan Detha

प्रकाशकः पेंगुइन बुक्स, यात्रा बुक्स के सहयोग से
प्रकाशितः अप्रैल 2007
भाषाः हिंदी
मुद्रणः पेंगुइन
मूल्यः रु 175.00
आई एस बी एनः 0143102699
ऐडिशनः पेपर बैक
फ़ॉरमेटः बी
पृष्ठः 308pp
वर्गीकरणः श्रेष्ठ कहानी-संग्रह
क्षेत्र अधिकारः विश्व

- **Published by** Penguin Books India in association with Yatra Books
- **Published:** April 2007
- **Imprint:** Penguin
- **Special Price:** Rs.175.00
- **Cover Price:** Rs.175.00
- **ISBN:** 0143102699
- **Edition:** Paperback
- **Format:** B
- **Extent:** 308pp
- **Classification:** Fiction
- **Rights:** World

कहानी, कथा, क़िस्से-दास्तान लोक मानस में रचे-बसे होते हैं। सदियों से पुरानी पीढ़ी नई पीढ़ी को कहानी की थाती सौंपती रही है। समय-समय पर अनेक लेखकों ने इस मुंहबोली विरासत को शब्दों का जामा पहनानेका प्रयास किया है। ऐसा ही कुछ प्रयास रहा है मशहूर लेखक विजयदान देथा का।

प्रस्तुत संकलन 'दोहरी ज़िंदगी' में उनकी चुनिंदा कहानियां ली गई हैं। राजस्थानी मिट्टी से जुड़ी उनकी कहानियों में जहां परंपरा की सोंधी महक है, वहीं आधुनिकता की तीखी गमक भी है। सीधी, सरल, निष्कपट शैलीमें रची गई ये कहानियां मनोरंजन के साथ ही पाठकों को जीवन-सत्य से रूबरू करा जाती हैं।

लेखक परिचय
जोधपुर के बोरुंदा गांव में जन्मे विजयदान देथा मित्रों व परिचितों के बीच 'बिज्जी' नाम सेजाने जाते हैं। बिज्जी राजस्थानी तथा हिंदी के अप्रतिम कथाकार हैं। आपने हिंदी व राजस्थानी की कई पत्रिकाओं का संपादन किया है। आपकी एक दर्जन से अधिक कहानियों पर फ़िल्म बन चुकी हैं, दर्जनों कहानियों के नाट्य-रूपांतर मंचित हुए हैं। आपको अनेक पुरस्कार व सम्मानों से नवाज़ा गया है।
अनुवादः कैलाश कबीर ने जोधपुर के जसवंत कॉलेज से एम.कॉम. किया है। आपने कई पुस्तकों का हिंदी अनुवाद किया है। अनुवाद कार्य के साथ-साथ आप कविता भी लिखते हैं।